Title: The Speaker withheld his consent regarding moving of notices of adjournment motion on disclosure by Tehelka.com in arms and other deals and exposing corruption at the highest level of administration.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, हमारे नोटिस का क्या हुआ? घोटाले पर घोटाले हो रहे हैं।â€¦(व्यवधान)

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (GUNA): Sir, I have made a special request to you today. ...(*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Scindia, please take your seat. Today I have received two notices of adjournment motion − one from Dr. Raghuvansh Prasad Singh and another from Kunwar Akhilesh Singh. So, as per rules, we have to call them first. I would call your name later. They have given notices for adjournment motion please.

...(*Interruptions*)

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर): अध्यक्ष महोदय, मेरे नोटिस का क्या हुआ?

अध्यक्ष महोदय : आपका कोई नोटिस नहीं है।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव (पूर्णिया) : अध्यक्ष महोदय, बिहार में कई घर जला दिये गये और बच्चों को आग में झोंक दिया गया.......(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : अभी नहीं, मैं आपको बाद में बुलाऊंगा। आप बैठ जायें।

श्री राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव : अध्यक्ष महोदय, यह महत्वपूर्ण मामला है...

MR. SPEAKER: This will not go on record. I have called Dr. Raghuvansh Prasad Singh.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदय : हमने आपको नही बुलाया। आप बैठ जायें। आपको इसके लिये पहले नोटिस देना चाहिए लेकिन आपने पहले नोटिस नहीं दिया है। इन लोगों ने पहले नोटिस दिया है। आप बैठ जायें।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह।

* Not Recorded

12.06 hrs.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह (वैशाली) : अध्यक्ष महोदय, तहलका प्रकरण ने देश में भ्रटाचार को उजागर कर दिया है। देश और दुनिया के लोगों ने टी.वी. पर इन लोगों को घूस लेते हुये देखा, जिस पर सरकार कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। भ्रटाचार का बोलबाला है और घोटाले पर घोटाले हो रहे हैं। कहीं कस्टम घोटाला, कहीं रक्षा सौदे को घोटाला, कहीं टेलीकॉम घोटाला हुआ है। यह संपूर्ण मंत्रिमंडल भ्रटाचार में लिप्त है और सरकार उनकी जांच नहीं कर रही है। हमने इस भ्रटाचार के विरुद्ध कार्यवाही न किये जाने पर यह नोटिस दिया है। यह घटना विशि है, स्पेसिफिक है, निश्चित है, अति लोक महत्व का वि़िय है, नियमानुकूल है। इसीलिये हमने यह नोटिस दिया है। यह सरकार न केवल भ्रटाचार के खिलाफ कार्यवाही नहीं कर रही है बल्कि भ्रटाचार को बढ़ावा दे रही है। सरकार ज्युडिशियल इंक्वायरी करके लीपा-पोती कर रही है। इसलिये विपक्ष की मांग है कि जो पकड़े गये हैं, सरकार उन भ्रटाचारियों के खिलाफ कार्यवाही करे वरना जे.पी.सी. का गठन हो। हमने इस मामले में यह नोटिस दिया है। इसलिये जे.पी.सी. के गठन के बिना यह कार्यवाही आगे नहीं चल सकती है।

कुंवर अखिलेश सिंह (महाराजगंज, उ.प्र.) : अध्यक्ष महोदय, तहलका.कॉम प्रकरण से न केवल देश के अंदर सरकार की छवि धूमिल हुई है बल्कि विदेशों में भी धूमिल हुई है। हमारी राट्रीय सुरक्षा के लिये एक प्रश्नचिन्ह उभरकर सामने आया है। अगर यह वर्तमान सरकार हुकूमत में रहती है तो क्या देश की सीमायें सुरक्षित रहेंगी? तहलका.कॉम प्रकरण से एक बात सीधे तौर पर उजागर हुई है कि एन.डी.ए. की सरकार में रक्षा सौदे की दलाली का कार्य नियमित रूप से चल रहा है। तहलका.कॉम प्रकरण के अंतर्गत भारतीय जनता पार्टी के तत्कालीन राट्रीय अध्यक्ष श्री बंगारू लक्ष्मण और समता पार्टी की तत्कालीन अध्यक्ष, श्रीमती ज्या जेटली को जिस प्रकार से पैसा लेते हुये दिखाया गया हैâ€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Kunwar Akhilesh Singh, since you have given a notice, you can make a mention about it. But this is not a debate.

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, ये लोग भ्रटाचार में किस प्रकार से लिप्त हैं, वह मैं आपको बताना चाहता हूंâ€¦(व्यवधान) .. आप लोग सुनने की हिम्मत रखिये।

MR. SPEAKER: Hon. Members, please take your seats. What is this? He has given a notice for adjournment motion, and that is why, I have called his name.

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, सत्ता पक्ष के संसद सदस्यों का चरित्र इस बात को उजागर कर रहा है कि भ्रटाचार में इन लोगों के हाथ रंगे हुये हैं। ये लोग इस फिराक में हैं कि सदन में इस वि़िय पर चर्चा न हो। हम चाहते हैं कि सदन की सम्पूर्ण कार्यवाही रोक कर इस महत्वपूर्ण वि़िय पर चर्चा कराई जाये। सरकार की तरफ से जो न्यायिक जांच की बात की जा रही है, वह मात्र लीपा-पोती है। न्यायिक जांच द्वारा मामले को ठंडे बस्ते में डालकर भ्रट लोगों को बचाने की साज़िश की जा रही है। इसलिये इस न्यायिक जांच से काम चलने वाला नहीं है। इसके पहले भी संसद के अंदर जे.पी.सी. द्वारा इंक्वायरी कराने का निर्णय लिया गया था और

उसके परिणाम से संसद और सारा देश पूरी तरह से परिचित है।

इसलिए हमारी मांग है कि सम्पूर्ण सदन की कार्रवाई को रोककर इस गंभीर विषय पर चर्चा कराई जाए। प्रथम दृष्टया रक्षा मंत्री के इस्तीफे के बाद यह सरकार कटघरे में खड़ी हो गई है। रक्षा मंत्री का इस्तीफा इस बात को साबित करता है â€¦(व्यवधान) रक्षा मंत्री का इस्तीफा यह साबित करता है कि रक्षा सौदों में दलाली ली गई है। इसलिए हम आपसे विनम्रतापूर्वक आग्रह करते हैं कि सम्पूर्ण सदन की कार्रवाई को स्थगित करके इस गम्भीर विषय पर सदन में चर्चा कराई जाए। â€¦(व्यवधान)

श्री रामानन्द सिंह (सतना) : इतने ईमानदार और योग्य रक्षा मंत्री ने इस्तीफा दिया है, जब वह जवाब देंगे तो आपकी पोल खुल जायेगी।â€¦(व्यवधान)

कुंवर अखिलेश सिंह : जो लोग दलाली में पकड़े गये हैं उन्हें जेल भेज दो।

â€¦(व्यवधान)

MR. SPEAKER : Both the notices for Adjournment Motion have been disallowed.

...(*Interruptions*)

12.11 hrs.